



白王家藏書



# 谐 铎 · 耳 食 录

## 聪训斋语 · 从商经



中国戏剧出版社

图书在版编目 (CIP) 数据

皇家藏书/孙德敦主编. —北京: 中国戏剧出版社, 2000.11

ISBN 7-104-01315-6

I. 皇… II. 孙… III. 古籍—中国 IV. Z838

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2000) 第 77449 号

皇 家 藏 书

---

中 国 戏 剧 出 版 社 出 版

(北京海淀区北三环西路大钟寺南村甲 81 号)

(邮政编码: 100086)

新华书店总店北京发行所 经销

北京市通州区大中印刷厂 印刷

21370 千字 787×1092 毫米 1/16 开本 1060 印张

2000 年 11 月第 1 版 2000 年 11 月第 1 次印刷

印数: 1—500

---

ISBN 7-104-01315-6/I·531 总定价 (全 32 卷): 8800.00 元

## 目 录

## 谐 铎

## 卷 一

- 狐媚 ..... ( 5 )  
虎痴 ..... ( 6 )  
鸡谈 ..... ( 7 )  
獭祭 ..... ( 7 )  
蚁封 ..... ( 8 )  
龟鉴 ..... ( 9 )  
兔孕 ..... ( 9 )  
雉媒 ..... ( 11 )

## 卷 二

- 屏角相郎 ..... ( 14 )  
笔头减寿 ..... ( 15 )  
讨猫檄 ..... ( 17 )  
祭蠹文 ..... ( 17 )  
隔牖谈诗 ..... ( 18 )  
垂帘论曲 ..... ( 19 )  
考牌逐腐鬼 ..... ( 20 )  
妙画代良医 ..... ( 21 )

## 卷 三

- 娇娃皈佛 ..... ( 23 )  
穷士扶乩 ..... ( 24 )  
老面鬼 ..... ( 26 )  
遮眼神 ..... ( 27 )  
烧录成名 ..... ( 28 )

|             |      |
|-------------|------|
| 读书贻笑 .....  | (28) |
| 镜戏 .....    | (29) |
| 帖嘲 .....    | (30) |
| 一钱落职 .....  | (31) |
| 两指题旌 .....  | (31) |
| <b>卷 四</b>  |      |
| 酒戒 .....    | (33) |
| 色戒 .....    | (34) |
| 财戒 .....    | (35) |
| 气戒 .....    | (36) |
| 侠妓教忠 .....  | (36) |
| 雏伶尽孝 .....  | (37) |
| 丐妇殉节 .....  | (38) |
| 营卒守义 .....  | (39) |
| 桃夭村 .....   | (39) |
| 荆棘里 .....   | (40) |
| <b>卷 五</b>  |      |
| 恶钱 .....    | (42) |
| 奇婚 .....    | (43) |
| 泄气生员 .....  | (45) |
| 换形乞丐 .....  | (46) |
| 菜花三娘子 ..... | (46) |
| 草鞋四相公 ..... | (47) |
| 讼师说讼 .....  | (48) |
| 名妓沽名 .....  | (48) |
| 泥傀儡 .....   | (49) |
| 石赧员 .....   | (50) |
| <b>卷 六</b>  |      |
| 上清宫除妖 ..... | (51) |
| 森罗殿点鬼 ..... | (51) |
| 苏三 .....    | (52) |
| 葛九 .....    | (53) |
| 奇女雪怨 .....  | (54) |
| 达士报恩 .....  | (55) |
| 梦中梦 .....   | (55) |
| 身外身 .....   | (56) |

|            |      |
|------------|------|
| 香粉地狱 ..... | (57) |
| 面目轮回 ..... | (58) |
| 能诗贼 .....  | (59) |
| 识字犬 .....  | (60) |

## 卷 七

|            |      |
|------------|------|
| 有根女 .....  | (61) |
| 无气官 .....  | (61) |
| 鬼妇持家 ..... | (62) |
| 鄙夫训世 ..... | (64) |
| 虫书 .....   | (65) |
| 兽谱 .....   | (66) |
| 黑衣太仆 ..... | (66) |
| 巾幗幕宾 ..... | (67) |
| 鲛奴 .....   | (68) |
| 犬婢 .....   | (69) |

## 卷 八

|            |      |
|------------|------|
| 棺中鬼手 ..... | (70) |
| 镜里人心 ..... | (70) |
| 孟婆庄 .....  | (71) |
| 十姨庙 .....  | (72) |
| 车前数典 ..... | (75) |
| 骡后谈书 ..... | (75) |
| 死嫁 .....   | (76) |
| 生吊 .....   | (77) |
| 术士驱蝇 ..... | (78) |
| 壮夫缚虎 ..... | (78) |

## 卷 九

|             |      |
|-------------|------|
| 嘲吴蒙 .....   | (80) |
| 赛齐妇 .....   | (81) |
| 村姬毒舌 .....  | (82) |
| 醺妇冰心 .....  | (82) |
| 地师身后劫 ..... | (83) |
| 节母死时箴 ..... | (84) |
| 顶上圆光 .....  | (85) |
| 掌中秘戏 .....  | (86) |
| 眼前杀报 .....  | (87) |

|              |       |
|--------------|-------|
| 脑后淫魔 .....   | (88)  |
| <b>卷十</b>    |       |
| 道人神相 .....   | (90)  |
| 和尚婆心 .....   | (91)  |
| 螭蛄郡 .....    | (91)  |
| 蛻螂城 .....    | (93)  |
| 鬼嫖 .....     | (94)  |
| 神赌 .....     | (95)  |
| 梦里家园 .....   | (95)  |
| 命中姻缘 .....   | (96)  |
| 臭桂 .....     | (97)  |
| 祥鸦 .....     | (98)  |
| <b>卷十一</b>   |       |
| 老僧辨奸 .....   | (99)  |
| 青衣捕盗 .....   | (99)  |
| 正士驱邪 .....   | (100) |
| 恶客除淫 .....   | (101) |
| 芙蓉城香姑子 ..... | (102) |
| 扫帚村钝秀才 ..... | (102) |
| 三杖惩奴 .....   | (103) |
| 片言保赤 .....   | (104) |
| 盗师 .....     | (105) |
| 鬼婿 .....     | (105) |
| 书神作祟 .....   | (106) |
| 病鬼延医 .....   | (107) |
| <b>卷十二</b>   |       |
| 南部 .....     | (109) |
| 北里 .....     | (109) |
| 贫儿学谄 .....   | (110) |
| 才士惩骄 .....   | (111) |
| 卜将军庙灵签 ..... | (111) |
| 况太守祠贗梦 ..... | (112) |
| 怕婆县令 .....   | (112) |
| 捣鬼夫人 .....   | (113) |
| 吕仙宝筏 .....   | (114) |
| 大士慈航 .....   | (114) |



|           |       |
|-----------|-------|
| 奎垣真像····· | (115) |
| 天府贤书····· | (116) |

## 耳食录

### 卷 一

|            |       |
|------------|-------|
| 夕芳·····    | (119) |
| 邓无影·····   | (121) |
| 青州贾·····   | (122) |
| 张将军·····   | (122) |
| 樊黑黑·····   | (123) |
| 谭襄敏夫人····· | (124) |
| 蕊宫仙史·····  | (124) |
| 刘秋崖·····   | (125) |
| 钱氏女·····   | (126) |
| 胡好好·····   | (126) |
| 西村颜常·····  | (127) |
| 红裳女子·····  | (128) |
| 雪媒·····    | (129) |
| 蜀商·····    | (130) |
| 毛生·····    | (130) |
| 三官神·····   | (131) |
| 邹忠介公·····  | (132) |
| 长春苑主·····  | (133) |
| 梅花美人·····  | (135) |
| 紫钗郎·····   | (135) |
| 画师·····    | (137) |
| 荆州女·····   | (138) |
| 竹冠道人·····  | (138) |
| 上官完古·····  | (139) |
| 徐太保·····   | (140) |

### 卷 二

|           |       |
|-----------|-------|
| 紫溪洞长····· | (141) |
| 宓妃·····   | (142) |



|            |       |
|------------|-------|
| 跨卫者 .....  | (145) |
| 葛衣人 .....  | (145) |
| 过阴 .....   | (146) |
| 沈翘翘 .....  | (146) |
| 南野社令 ..... | (147) |
| 廊下物 .....  | (148) |
| 秋心山人 ..... | (148) |
| 秦少府 .....  | (150) |
| 竹连环 .....  | (152) |
| 大赤蛇 .....  | (152) |
| 绣鞋 .....   | (153) |
| 彭公子 .....  | (153) |
| 方先生 .....  | (154) |
| 市中丐者 ..... | (155) |
| 李齐娘 .....  | (155) |
| 困默真人 ..... | (156) |
| 吴士冠 .....  | (158) |
| 章琢古妻 ..... | (159) |
| 阿惜阿怜 ..... | (161) |
| 紫衣史 .....  | (163) |
| 胭脂娘 .....  | (164) |
| 绿云 .....   | (165) |

## 卷 三

|              |       |
|--------------|-------|
| 王方伯 .....    | (167) |
| 东仓使者 .....   | (167) |
| 卜疑轩 .....    | (168) |
| 田卖鬼 .....    | (169) |
| 揽风岛 .....    | (170) |
| 蒋氏女 .....    | (171) |
| 黄衣丈夫 .....   | (172) |
| 大王 .....     | (172) |
| 萧点云 .....    | (173) |
| 李公 .....     | (173) |
| 芙蓉馆扫花女 ..... | (174) |
| 哭笑疾 .....    | (176) |
| 妇失襦 .....    | (176) |

|       |       |
|-------|-------|
| 捕鱼仙   | (177) |
| 骷髅    | (178) |
| 二皂役   | (178) |
| 碧桃    | (179) |
| 我来也   | (180) |
| 董公    | (181) |
| 香囊妇   | (181) |
| 青青    | (182) |
| 奎章道士  | (183) |
| 李氏妇   | (183) |
| 胡夫人墓  | (184) |
| 古瓶    | (184) |
| 婉姑    | (185) |
| 王侍御   | (186) |
| 东岳府掌簿 | (186) |
| 段生    | (187) |

#### 卷 四

|      |       |
|------|-------|
| 韩布衣  | (192) |
| 影娘   | (194) |
| 刘生   | (195) |
| 罗台山  | (196) |
| 揭雄   | (197) |
| 清河令  | (198) |
| 明绡   | (198) |
| 文寿   | (200) |
| 沈髯   | (204) |
| 并蒂莲  | (204) |
| 河东丐者 | (204) |
| 宝剑   | (205) |
| 蛟    | (206) |
| 平阳生  | (206) |
| 爱驴   | (207) |
| 吴生   | (208) |
| 猫言   | (208) |
| 瓜异   | (209) |
| 秦某   | (209) |

|            |       |
|------------|-------|
| 武侯碑 .....  | (210) |
| 姚子英 .....  | (210) |
| 奎光 .....   | (212) |
| 燕 .....    | (212) |
| 葆翠 .....   | (212) |
| 蜡技 .....   | (214) |
| 施建昌 .....  | (214) |
| 汤琇 .....   | (215) |
| 西波逸叟 ..... | (216) |
| 交物 .....   | (217) |
| 癞虾蟆 .....  | (217) |
| 范依 .....   | (217) |
| 过期孕妇 ..... | (218) |
| 三都人 .....  | (218) |
| 沈利梁仪 ..... | (218) |
| 蜘蛛 .....   | (219) |
| 书吏 .....   | (219) |

## 卷 五

|           |       |
|-----------|-------|
| 魏翁 .....  | (221) |
| 女湘 .....  | (222) |
| 齐福喜 ..... | (223) |
| 狼狈 .....  | (223) |
| 何生 .....  | (224) |
| 偷儿 .....  | (226) |
| 柏秀才 ..... | (226) |
| 龙虱 .....  | (228) |
| 华广 .....  | (228) |
| 陈著 .....  | (228) |
| 张碧云 ..... | (230) |
| 铁丸 .....  | (232) |
| 庐山僧 ..... | (233) |
| 鼍 .....   | (233) |
| 韩五 .....  | (234) |
| 易内 .....  | (235) |
| 石先生 ..... | (235) |
| 疯道人 ..... | (236) |

|           |       |
|-----------|-------|
| 恶蝇·····   | (237) |
| 宋先生·····  | (237) |
| 金陵樵者····· | (238) |
| 龙某·····   | (239) |
| 沈璧·····   | (241) |
| 余时鏊·····  | (241) |
| 章五·····   | (242) |
| 王黄胡子····· | (242) |
| 猫犬·····   | (243) |
| 仍吉·····   | (243) |
| 石孝廉·····  | (246) |
| 周英如·····  | (247) |
| 庐山怪·····  | (248) |
| 戴公·····   | (248) |
| 痴女子·····  | (250) |
| 恶鼠·····   | (251) |
| 忘误·····   | (252) |
| 陶金铃·····  | (253) |

### 聪训斋语

|         |       |
|---------|-------|
| 上卷····· | (261) |
| 下卷····· | (286) |

### 从商经

|              |       |
|--------------|-------|
| 史记·货殖列传····· | (307) |
| 客商一览醒迷·····  | (327) |
| 士商要览·····    | (425) |
| 生意世事初阶·····  | (433) |
| 商贾便览·····    | (459) |
| 附录·····      | (483) |

# 谐 铎

(清) 沈起凤 著

# 新 野

海 派 (書)

## 殷杰序

予秉铎祁昌，与萇渔大兄同事者三载。予之铎，以无声为铎，而萇渔以有声为铎。予之铎，以铎为铎，而萇渔以不铎为铎。盖予不善谐，而萇渔以谐入铎。故听其铎者，但觉其谐；听其谐者，并不觉其铎也。虽然，天下大矣，铎且不能遍徇，何况于谐？予曰“干卿甚事？”萇渔曰：“舍我其谁！”予曰：“不知许事，且食蛤蜊。”萇渔曰：“虽不得肉，亦且快意。”予曰：“木菩萨登坛说法，毕竟于意云何？”萇渔曰：“泥傀儡逢场作戏，也只与人同善。谐耶？铎耶？其萇渔之苦心耶？”予乃退藏其铎，而萇渔之《谐铎》以鸣。

时乾隆辛亥仲秋下浣星岩愚弟殷杰



## 韩藻序

庄生放达，《秋水》、《马蹄》；屈子离忧，女萝《山鬼》。虽属寓言之义，终非垂教之书。至若干宝《搜神》、《齐谐》志怪，更驰情乎幻渺，觉涉笔于荒唐。蓑渔大兄夙负异才，近耽净业，发菩提心而度世，运广长舌以指迷。言则白傅谈诗，老妪亦参妙解；事则道远画壁，渔罟尽乐皈依。有裨人心，无惭名教。藻初游宦海，旧托名山。匏既系乎同方，荆共班于一室。偶离案牍，笑启巾箱；闲诣经帷，偷翻枕篋。得预元亨之秘，尽窥邳架之奇。嗟乎！段成式之明经，《诺皋》垂记；董仲舒之嗜学，《繁露》名篇。惟得梗于真源，始扶轮乎大雅。文非妄作，事岂无稽？仆鞅掌于簿书，乘五夜翻兔园之册；君主持夫讲席，借六经织鱼网之词。

时乾隆重光大渊献相月既望寅愚弟韩藻谨序

# 卷 一

## 狐 媚

平阳范氏废园，故多狐。有宁生者，性狷介，日淫于书。因暑月懊闷，假园亭以憩，友劝阻之，宁笑曰：“是何伤？狐所挟以媚人者二：贪淫者，媚以色。贪财者，媚以金。我两无所好，惟好架上书，媚术虽工，遇我亦不售矣。”友漫应而去。

饭后卧北窗下，见女子从屏后出。宁心知其狐，假寐以伺，女指架上书，輶然曰：“名教中自有乐地，是儿独学寡闻，将为勤学死。”宁起叱曰：“骚野狐，曳尾遁耳，敢妄言？”女亦叱曰：“田舍奴，我岂妄哉。汝果读书明理，当知我家祖德宗功，何敢妄为讥议？”宁曰：“凭城作祟，假虎树威，汝辈长技耳。祖德宗功安有哉？”女曰：“汝日读书，而不知大禹娶涂山之事乎？缓缓庞庞，昌都成室，是祖德也。有商之季，移家西海，适文王遭羑里之囚，散宜生访先人于敝庐，脱青翰以解之。赫赫宗功，垂诸史册，子何未之深考？”宁曰：“是诚有之。但汝辈篝灯弄谲，卧榻宣淫，终非善类。”女曰：“死则正丘，大圣犹羨其仁；穴则知雨，汉儒尚钦其智。况有形九尾，德至乃来。山海名经，言之凿凿。汝诚读书而未得其解耳！”宁凝想久之，肃然致敬曰：“始吾以汝等为不足齿伦，今闻高论，愿为书友。”女笑诺之。晨涂暝写，日共校讎。

偶坐荷亭点《周易》，女忽问曰：“有天地一章作何解？”宁曰：“上言离者，丽也。丽则男女交感，宜受之以咸。而咸不可言受，故复从天地说到夫妇之道，而受之以恒。”女笑曰：“然则男女交感，圣人所讳言乎？”宁曰：“然。”女曰：“男妇构精，万物化生，又何说也？”言毕，星眸斜睇，杏靥微红。宁魂摇志夺，应声而答曰：“卿有意乎？请卜诸《易》。”女随手占得未济。宁曰：“未济征凶，事不谐矣！”女曰：“小狐濡尾，虽不当位，刚柔应也；何害！”宁惑之，自此遂同寝处。不半月，神疲气殆，渐不可支。

友遇而诘之，宁万方自讳。入夜女来，宁以病告。女曰：“君著书辛苦，